

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

भक्तमालहरिभक्तिप्रकाशिका ।



यह उलथा खेतडीनिवासी दासानुदास हरिप्रपन्न रामानुजदास
उपनाम हरिवर ज्ञाति कायस्थ माथुरमाणिक्य भंडारीने
किया और श्रीयुत देवराज रामानुजदास श्रीनिवास-
दासजीके मार्फत छापवैकी

LIBRARY & ACADEMY
Hindi Section

जिसको

Library No. 64.

Date of Receipt. 17/12/27

मुरादाबादनिवासी पण्डित खालाप्रसाद मिश्रने हरिभक्तम-
हात्माओंके चित्तविनोदार्थ स्मृष्ट भाषामें दोहे कवित्तादि
समावेशपूर्वक सर्वसाधारणके पढने योग्य संकलित किया.

उसके

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष "लक्ष्मीवैकटेश्वर" छापेखानेमें

मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने मालिकके लिये

छापकर प्रकाशित किया.

संवत् १९८१, शके १८४६.

कल्याण-मुंबई.

इस पुस्तकका रजिष्टरी सब हक सन् १८६७ के ऐक्ट २५ के
बमूजब यन्त्राधिकारीने अपने आधीन रक्खा है.